हर्षोल्लास के साथ हुआ शिव पार्वती विवाह कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 15 फरवरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम पंचायत नचने में स्थित चैमुख नाथ मंदिर में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में शिव पार्वती का विवाह रीति रिवाज के साथ संपन्न किया गया।

इसी तरह ग्राम पंचायत कुलगवा मड़ैयन अंतर्गत अगस्त मुनि आश्रम में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भव्य शिव शक्ति विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें सर्व प्रथम ग्राम पंचायत कुलगवां मड़ैयन से भगवान शिव की झांकी सुसज्जित कर विशाल बरात ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली गई जो करीब तीन किलोमीटर तक पैदल ,घोड़ा तथा वाहनों के द्वारा शिव मंदिर सिद्ध नाथ मंदिर परिसर पहुची। इस बरात मे कुलगवां मड़ैयन, नचने ,छिजोरा ,पटना तमोली ,सलेहा नया गांव, कटरा, कल्दा बछौन ,पवई आदि सैकड़ों गांवों के बराती नाचते गाते शिव पार्वती के विवाह में बराती बनकर सिद्धनाथ मंदिर परिसर पहुंचे, जहां पर वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ द्वारचार आदि धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शिव पार्वती का विवाह संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर राजेश वर्मा विधायक गुन्नौर, मुख्य अतिथि के रुप में जलसी बाई जनपद पंचायत अध्यक्ष गुन्नौर, रमाकांत शर्मा पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष पन्ना, कमलेश यादव सरपंच सहित क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे। जिन्होंने शिव पार्वती का पूजन किया ,इस दौरान उपस्थित सैकड़ों गांव के आदिवासी परिवारों, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी जनप्रतिनिधि आदि इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

यह विवाह कार्यक्रम वनवासी समाज द्वारा विगत 12 वर्षों से शिवजी की बरात कार्यक्रम का वृहद रूप से आयोजित किया जाता है। इस दौरान विधायक राजेश वर्मा द्वारा कहा गया की रामपथ गमन तीर्थ क्षेत्र के विकास लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय धर्म प्रेमियों द्वारा किया जाता है।

भोले की बारात में झूमे श्रद्धालु

अमानगंज. अमानगंज में महाशिवरात्रि का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। नगर के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, जहाँ भोलेनाथ के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया।महाशिवरात्रि के विशेष अवसर पर नगर में भोले की बारात निकाली गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली इस बारात में शिवगणों के वेश में सजे कलाकार और झूमते श्रद्धालु देखते ही बन रहे थे। बारात जिस मार्ग से गुजरी, वहां फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। नगरवासियों ने अपने-अपने घरों में माता गौरा और भगवान शंकर का विशेष पूजन-अर्चन किया। महिलाओं ने सुख-समृद्धि की कामना के साथ व्रत रखा और परंपरागत रूप से शिव-पार्वती विवाह की रस्में निभाईं। नगर के प्राचीन और प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से ही अभिषेक और पूजन का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव पर बेलपत्र, धतूरा, फल और गंगाजल अर्पित कर मंगल कामना की।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

पवई. महाशिवरात्रि पर्व पर देश प्रदेश के साथ-साथ पन्ना जिले के शिव मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सुबह 4-00 बजे से ही श्रद्धालु गंगाजल लेकर शिव मंदिरों में जल अर्पित करने पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही जिले भर में लोगों के द्वारा मंदिरों एवं अपने-अपने घरों में धार्मिक कार्यक्रम पूजा अनुष्ठान आदि का आयोजन भी किया जा रहा है। पवई में बाबा कैलाशी, औगड़दानी बाबा बिरसिंहपुर और डाहीखेरा के भूमिश्वर महादेव में भक्तों की भीड़ भोले को पूजा अर्चना करने के लिए पहुंच रही है। वहीं जनपद पंचायत पवई परिसर में विराजमान जनपदेश्वर महादेव मंदिर में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मोहनी आनंद मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश उपाध्याय द्वारा पूरे विधि विधान एवं वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना की,इसके साथ ही नगर के प्रख्यात डॉक्टर धनराज सिंह भदोरिया के निवास पर भी शिवार्चन का आयोजन किया गया था पश्चात कन्या भोज एवं भंडारे भी संपन्न हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के लिंग रूप में प्रकट होने, माता पार्वती के साथ विवाह और समुद्र मंथन के दौरान विषपान करके सृष्टि बचाने की घटनाएं को जोड़ा गया है। शिव पुराण के अनुसार फाल्गुन माह की कृष्ण चतुर्दशी की रात को भगवान सदाशिव अपने अनादि अनंत शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे जिससे ब्रह्म और विष्णु ने पूजा करके महाशिवरात्रि कहा था।वही आज ही के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था जो शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक है।महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व अज्ञानता के अंधकार को मिटाने और दिव्य चेतना से जुड़ने का पर्व भी माना जाता है जहां आत्मा परमात्मा शिव के साथ एक जाकर होती है।

मौसमी बीमारियों के प्रारंभ होते ही बढ़ा नकली दवाओं का कारोबार

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। मौसम में आये परिवर्तन की वजह से मौसम बीमारियां बढ़ने लगी है, उक्त बीमारियों को देखते हुए पन्ना सहित जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ताहीन दवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ गया है।

कई मेडिसिन दुकान संचालक व झोलाछाप डॉक्टर गांव गांव में सक्रिय होकर चांदी काटने में लगे हुए हैं। ऐसे में नकली दवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ता जा रहा है, झोलाछाप डॉक्टर कम पैसे में अधिक मुनाफा कमाना चाहते हैं। जिसके चलते वह दवा एजेंटों से गुणवत्ता विहीन दवाओं अर्थात उन दवाओं को क्रय करते हैं जो सस्ते रेट में मिलती है, इन दवाओं का सेवन करने में मरीज समय से ठीक नहीं हो पाता इसके चलते वह बार बार बीमार पडता है। जिससे वह बार बार डॉक्टर के पास जाता है और डॉक्टर रूपया ऐंठते है कभी कभी तो मरीजों को इन दवाओं का सेवन करने से दूसरी बीमारियां भी हो जाती है कई मेडिसिन संचालकों द्वारा गुणवत्ताहीन दवायें बेंची जा रही हैं। मालूम हो कि पन्ना नगर में व ग्रामीण अंचलों में इस समय नकली दवाओं का कारोबार जोरों में चल रहा है। दुकानों में यदि छापे मारे जायें तो कई जगह लाखों रूपये की नकली अर्थात गुणवत्ता विहीन दवायें पकडी जा सकती हैं, दवाओं के अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव गांव में महिला व पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता नियुक्त हैं। जिनकी जवाबदारी है कि गांव में मुख्यालय बनाकर स्थाई रूप से निवास करते हुए ग्रामवासियों का प्राथमिक उपचार करना, समय समय पर टीकाकरण करना व मौसमी बीमारियों के प्रति गांव के लोगों को प्रचार प्रसार करके सचेत करना। ज्ञात हो कि साधारण बुखार, सर्दी खांसी, चमडी छिल जाना, कट जाना आदि छोटे उपचारों के लिए पर्याप्त दवाएं हर स्वास्थ्य कार्यकर्ता के यहां उपलब्ध रहती हैं उन्हें इस उपचार के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से किट भी प्रदान किया जाता है, पर गांवों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता रहते नहीं है इसलिए किसी भी प्रकार का उपचार व जानकारी ग्रामवासियों को नहीं मिल पाती यही कारण है कि कभी कभी उल्टी दस्त, मलेरिया, पीलिया की बीमारी गांवों में फैल जाती है। तथा जब समाचार पत्रों में खबर आती है तब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व जिला प्रशासन को जानकारी मिल पाती है।

दूल्हों की पसन्द बनती जा रही शाही बग्घी

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। शाही ब्याह के आयोजनों में भी समय के साथ-साथ बदलाव दिख रहा है। बारात में शहनाई और बैण्ड की जगह अब डीजे की धमक सुनाई देती है।

रात की जगह दिन में बारातें निकलने लगी है। इतना ही नहीं बारातों में अब महिलाएं भी बढ़-चढ़कर शामिल हो रही है। डीजे की धुन पर थिरकते हुए बाराती कन्या के घर पहुंचते है और कुछ ही घण्टों में बारात की पूरी प्रक्रिया हो जाती है। बदलाव का यह सिलसिला दूल्हे राजा की सवारी पर भी पड़ा है। वर्षो पहले पालकी में सवार होकर दूल्हे राजा जाते थे और फिर इसी में दुल्हन की विदाई होती थी। इसके पहले घोड़ों में दूल्हे राजा सवार होने लगे। इसी बीच जगमग रोशनी से सजे-संवरे रथ का जमाना आया। जिन्हें ट्रैक्टर या जीप से खींचा जाता था। काफी दिनों बाद कार का प्रचलन शुरू हो गया। बाद में मारूती वेन और फिर कभी सफारी तो कभी स्कार्पियों जैसी गाड़ियां दुल्हों की पसंद बन गई। इस समय सब पर शाही बग्घी भारी पड़ रही है।

तीसरे दिन होती थी बारात की विदाई- कोई तीन दशक पहले जब शादी में तीसरे दिन बारात की विदाई होती थी। हांथी, घोड़ा के साथ बैण्ड बजाते दूल्हा के साथ व्यास रचाने बाराती जाते थे, पहले दिन बारात पहुंचती थी और उसी शाम द्वार पूजा तथा चढ़ावा की रस्म होती थी, दूसरे दिन भी बारात बसी रहती थी। इसी बसी के दिन दोपहर में बारातियों को खाने के लिए कच्चा भोजन दिया जाता था। जहां बुंदेलखण्ड के व्यंजन शाम को परोसे जाते थे। महिलाएं समधी को गीत सुनाती थीं और इसी गीत के बीच बाराती परोसे गए इन व्यंजनों को चाव से खाते थे।

बारात में शामिल होते थे हांथी

एक वह भी जमाना याद किया जाता है जब बारात में हाथी ले जाने का शौक होता था। द्वारचार के दौरान हाथी की पूजा भी होती थी इतना ही नहीं जो जितनी अधिक मात्रा में हांथी लेकर बारात जाता था उसका कद उतना ही बड़ा माना जाता था। बारात में जाने वाले हांथी को बढ़िया सजाया जाता था। लेकिन अब वह केवल मात्र सपना रह गया है।

बोर्ड परीक्षाएं शुरू, डॉक्टरों ने तनाव मुक्त होकर परीक्षा देने की दी सलाह

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। जिले में एम पी बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। ऐसे में विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी के लिये दिन रात मेहनत कर रहे हैं। पिछले कई सालों से मप्र की मैरिट लिस्ट में पन्ना के विद्यार्थी अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस सिलसिले को आगे बढ़ाने की मंशा से ही विद्यार्थी अच्छे अंक लाने एवं प्रदेश मे पन्ना जिले का नाम रोशन करने जी तोड मेहनत कर रहे हैं।

परीक्षा मे अच्छे अंक लाने के लिये अब विद्यार्थियों का पूरा ध्यान खेल और अन्य कामों से हटकर सीधे पढ़ाई पर ही केंद्रित हो गया है।

कहां कैसा माहौल:- परीक्षा के चलते घरों मे केवल पढ़ने पढ़ाने पर ही चर्चा हो रही है। अभिभावकों ने बच्चों को टीवी देखने पर भी पाबंदी लगा दी। इसके अलावा बच्चों की पसंद पर भी विशेष ध्यान रखा जाने लगा है लोगों ने बताया कि उनके बच्चे जो दसंवी मे अध्ययनरत है वे पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने लगे हैं। परीक्षा को लेकर बाजारों मे भी इसका असर दिखाई देने लगा है स्टेशनरी दुकानों पर अलग अलग प्रकाशकों की गाइड, प्रश्न बैंक आदि की भरमार है जो बच्चों को अपनी ओर लुभा रहे हैं। अभिनव पुस्तक भंडार संचालक ने बताया कि इस समय प्रश्न बैंक, परीक्षा बोध, मॉडल प्रश्न पत्र कही बिक्री पहले की अपेक्षा काफी बढ गई है।

गंभीरता से करें तैयारी:- महाविद्यालय मे प्रोफेसरों ने बताया कि छात्र छात्राएं पढ़ने का समय और मेहनत को बढ़ाएं। धैर्य और गंभीरता के साथ पढाई करें टीवी, दोस्तों व अन्य किसी तरह के आयोजनों में ज्यादा समय बर्बाद न करें, ताकि पूरा ध्यान केवल पढ़ाई पर ही केंद्रित रहें। सबसे अहम बात किसी भी हालत मे एक दूसरे में कंपेयर न करें।

क्या कहते हैं मनोचिकित्सक

मनोचिकित्सक के मुताबिक सबसे पहले विद्यार्थी को परीक्षा जैसे किसी शब्द का डर अपने मन मे नहीं रखना चाहिए। किसी भी परिस्थिति मे मन मे तनाव पैदा न हो इस बात का ख्याल रखें। परीक्षा के दौरान कम कम से छह घंटे की नींद अवश्य लेना चाहिए ताकि दिमाग पर उसका किसी भी तरह से असर न पडे। इसके अलावा सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करने से दिमाग फ्रेश रहता है। इसलिये सभी विद्यार्थी ब्रम्हमूहूर्त में ही उठकर पढ़ाई करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिससे कोई मानसिक परेशानी हो।

निकाल दें परीक्षा का भय

विद्यार्थी सबसे पहले परीक्षा का भय अपने दिलों दिमाग से निकाल दें। जहां भी परेशानी हो अपने शिक्षक या दोस्तो से चर्चा कर उसका समाधान खोजें। प्रत्येक विषय पढ़ने के लिये समय निर्धारित कर लें। गणित, अंग्रेजी व विज्ञान जैसे कठिन विषयों पर बार बार रिवीजन करें। अब पूरा ध्यान बच्चों की पढ़ाई पर बच्चों को पढाने के लिये घर मे पढ़ाई कर बेहतर माहौल बनाएं। किस तरह पढ़ाई कर रहे हैं उसका भी ध्यान रखें। बच्चों को पढ़ाई के लिये ज्यादा दबाव न डालें बल्कि उमें माहौल बनाएं कि वो स्वयं अपनी पढ़ाई के प्रति गंभीर रहें।

पुलिस ने विगत 15 दिवस में अपहृत 3 नाबालिग बालिकाओं को सकुशल किया दस्तयाब

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) के मार्गदर्शन में थाना देवेन्द्रनगर पुलिस द्वारा अपहृत/लापता नाबालिक बालिकाओं की तलाश हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

महिला एवं बाल अपराधों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए थाना देवेंद्रनगर में पंजीबद्ध अपहरण संबंधी प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। थाना देवेंद्रनगर में दर्ज अपराध क्रमांक 03/26 धारा 137(2) बीएनएस, अपराध क्रमांक 70/26 धारा 137(2) बीएनएस एवं अपराध क्रमांक 74/26 धारा 137(2) बीएनएस में एसपी पन्ना के निर्देशानुसार एवं थाना प्रभारी देवेंद्रनगर उनि संतोष सिंह यादव के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से मिली सूचना एवं सतत कार्रवाई के फलस्वरूप नाबालिक बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया गया। दस्तयाबी उपरांत आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर तीनों बालिकाओं को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

सामाजिक सरोकार से दूर बैंक कर्मचारी

बिचैलिया पसंद होने की वजह से उपभोक्ता त्रस्त

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। समाज के विकास एवं वित्त संबंधित सुनियोजित व्यवस्था को कायम रखने में बैंक की भूमिका सराहनीय रही है परंतु कुछ वर्षों से हितग्राहियों के प्रति बरती जाने वाली बेरूखी बैंक के कर्मचारियों पर सवाल खड़े कर रहे है।

पहले यही बैंक कर्मचारियों का ग्राहकों के प्रति अपनाया जाने वाला रवेया हितकर था, परंतु शासन की योजनाएं बड़ी बढ़ी अधिकांष योजनाओं को बैंक के मार्फत ई पेमेन्ट के माध्यम से भुगतान होने से नीति के तहत बेंक कर्मचारियों पर अत्यधिक बोझ आया जिससे उनका शनैः शनैः नैतिक पतन हुआ और वे ग्राहकों के प्रति बेरूखा व्यवहार करने लगे। ऐसा नहीं है कि बाद में मुख्यालय में बैंकों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई केन्द्र सरकार के मंषानुसार सिर्फ मुख्यालय को अगर देखें तो बैंकों की बाढ़ सी आई जैसे जैसे बैंक बढ़े वैसे ही शासकीय योजनाओं का भुगतान बैंक से करने की शासन की योजनाओं के चलते खाते खुले।

दलाल हुए सक्रिय- बैंकों में जहां शासन के निर्देषानुसार ऋण देने की व्यवस्था है बेरोजगार एवं व्यवसायी को होम लोन, किसानों को क्रेडिट कार्ड के तहत लोन, युवाओं को षिक्षा लोन, वाहन लोन, आवास ऋण जैसे अनेकानेक ऋण देने की व्यवस्था बैंकों ने की है, परंतु लोन लेने के लिए समुचे दस्तावेज सहित ग्राहक बैंक पहुंचता है तो बैंक कर्मचारी दस्तावेजों में कुछ कमी बताकर दस्तावेज की ठीक कराकर लाने की सलाह देता है दस्तावेजों को पुख्ता रूप से ठीक कराकर पुनः बैंक जाता है तो बैंक कर्मचारी बजट न होने की बात कहकर बाद में आने की सलाह देता है अगर वही ग्राहक किसी बैंक एवं ग्राहकों के मध्य संबंध बनाकर नाजायज पैसा ऐंठने वाले बिचैलिए के माध्यम से जाता है तो निष्चित रूप से उसका ऋण सेंषन हो चुका होता है।

जरूरत मंदों को नहीं मिलता ऋण

शासन की योजनाओं का जमीनी स्तर पर होने वाला अमल में लाने का तरीका जिसका फायदा निष्चित रूप से जरूरत मंदों को नहीं मिल रहा है। विदित हो कि बिचैलियों के माध्यम से पूर्व में बैंकों ने अत्याधिक ऋण स्वीकृति किए है परंतु वसूली के नाम पर बैंक का प्रयास विफल साबित हो रहा है इसकी वजह यह है कि ऋण का प्रकरण बैंक आने के पष्चात संबंधित शाखा का दायित्व है कि वह इस बात का भली भांति परीक्षण करें कि हितग्राही का ऋण चुकाने को लेकर कितना सक्षम है कई मामलों में देखने को आया है कि हितग्राही को बिचैलियों के माध्यम से क्षमता से अधिक ऋण दे दिया जाता है और हितग्राही बैंकों को ऋण चुकाने में अपने को अक्षम पाता है।

विद्यार्थियों का विदाई समारोह

नवभारत न्यूज

देवेंद्रनगर/पन्ना 15 फरवरी। स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की गरिमामय वातावरण में विदाई समारोह कार्यक्रम का सफल आयोजन जिसमें विद्यालय प्रबंधन एवं कक्षा 7 के छात्र छात्राओं द्वारा स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए गए।

कार्यक्रम के दौरान गीत नृत्य भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई जिसमें उपस्थित जनों ने बहुत ही सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अलक्षेन्द्र पटेल पटेल ने अनुशासन मेहनत संस्कार के साथ हमेशा आगे बढ़े, ईमानदारी एवं परिश्रम आत्मविश्वास बनाए रखें एवं रामसिंह सर ने हमेशा बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ-साथ अपने जीवन में लगातार अभ्यास करने के लिए कहा एवं स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका उर्मिला पटेल ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामनाएं प्रेषित की। इस कार्यक्रम में शुभी मेम, हिमांशु सर, राहुल सर, रागनी, महक, दिव्या, अंजनी, शिखा, संगीता, शशी, करीना एवं समस्त स्टाफ तथा छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

गर्मियों में वन अग्नि को रोकने चल रहा फायर-लाइन कार्य

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के सभी वन परिक्षेत्रों में पिछले कुछ महीनों से फायर-लाइन (अग्निरोधी रेखा) कटाई जलाई का कार्य तेज़ी से चल रहा है। इस प्रक्रिया में लंबी पट्टियों में सूखी झाड़ियाँ व घास काटकर तथा गिरे हुए सूखे पत्तों को एकत्रित कर नियंत्रित तरीके से जलाया जा रहा है।

इसका उद्देश्य जंगल में जमा अतिरिक्त ज्वलनशील सामग्री को कम करना है, ताकि गर्मियों में लगने वाली संभावित भीषण वन अग्नि को फैलने से रोका जा सके। वनमण्डल स्तर पर फायर-लाइन निर्माण के लिए पिछले तीन वर्षों के वन-अग्नि अलर्ट डेटा का विश्लेषण किया गया है। जिन क्षेत्रों में बार-बार आग की घटनाएँ या अधिक अलर्ट प्राप्त हुए, वहाँ विशेष रूप से फायर-लाइन सुदृढ़ की जा रही है। यह कार्य रिस्क आधारित योजना के तहत किया

जा रहा है, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में आग की रोकथाम अधिक प्रभावी बन सके। हाल ही में दक्षिण पन्ना वनमण्डल के अधिकारियों ने विभिन्न परिक्षेत्रों में चल रहे फायर-लाइन कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। शाहनगर, मोहन्द्रा, कल्दा-सलेहा, रैपुरा और पवई सहित सभी परिक्षेत्रों के अधिकारी एवं वन अमला इस अभियान को लेकर सतर्क और सक्रिय हैं तथा समयबद्ध रूप से कार्य पूरा करने में जुटे हैं।

वन क्षेत्र में अग्निरोधी रेखाएँ सामान्यतः वनखंडों की सीमाओं पर, सड़कों एवं मार्गों के दोनों ओर, पौधारोपण क्षेत्रों के चारों ओर तथा वनमण्डल व जिला सीमाओं पर बनाई जाती हैं। इससे आग लगने की स्थिति में वह सीमित क्षेत्र में ही नियंत्रित रह सके और बड़े जंगल या आसपास के गाँवों तक न फैल पाए।

जनसंख्या वृद्धि के अनुसार रोजगार संसाधनों का अभाव, बेरोजगारी में हुई बढ़ोत्तरी

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 फरवरी। प्रदेश की तरह जिले की जनता भी लगातार बढ़ती जा रही है लेकिन जनसंख्या के अनुसार संसाधनों की बढ़ोत्तरी की बजाय लगातार कमी होती जा रही है। जिस कारण बेरोजगार महानगरों में रोजगार की तलाश में लगातार कूच कर रहे हैं। जिले की जनसंख्या जिस रफ्तार से बढ़ रही है 2026 में अनुमानित जनसंख्या लगभग 12 लाख पहुंची है।

स अनुपात से न तो जिले में रोजगार के संसाधन बढ़े और न आय के स्त्रोत। जिस कारण गरीब और गरीब होता जा रहा है तथा अमीर और अधिक अमीर हो रहा है। जिस कारण अमीरी और गरीबी की खाई गहरी होती जा रही है। जनसंख्या बढ़ने के अनुसार उसी के अनुपात में गरीबी भी बढ़ रही है। जिले की जनसंख्या बढ़ने के साथ ही संसाधनों का अभाव भी बन रहा है। खासतौर से भूमि को लेकर सबसे ज्यादा असमानता निर्मित हो गई है। एक परिवार में जहां पहले जितने सदस्य रहते थे उसके अनुपात में सदस्यों की संख्या बढ़ रही है। जबकि भूमि का रकवा पुराना ही है इस वजह से खेती- किसानी का कार्य भी अब लाभ का धंधा काफी परिवारों के लिए नहीं रह गया है। जिले में गरीबी का प्रतिशत बढ़ने के पीछे मुख्य वजह यह भी है कि यहां रोजगार के अवसर न के बराबर हैं। काम धंधा न मिलने के कारण लोगों को आजीविका की तलाश में अन्य राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। रोजगार-धंधा न मिलने के कारण पढ़े-लिखे युवक भी अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पा रहे हैं। बड़ी-बड़ी डिग्री लेकर युवा घर में खाली बैठने के लिए मजबूर हैं। शासन द्वारा भी पन्ना जिले में बड़े उद्योग धंधों की स्थापना को लेकर पूरी तरह से निष्क्रिय है। पन्ना जिला खनिज संसाधनों के मामले में काफी संपन्न है। यहां खनिज आधारित बड़े उद्योग धंधे लग सकते हैं। यदि जिले की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो एक दशक बाद इसके काफी विस्फोटक परिणाम सामने आ सकते हैं। रोजगार, धंधों के लिए जो भटकाव बना हुआ है यदि उसके लिए भी गंभीरता के साथ जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रयास नहीं किए गए तो निश्चित ही आने वाले समय में गरीबी का प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। इसको लेकर पन्ना जिले के प्रबुद्ध लोगों में काफी चिंता देखी जा रही है। गरीबी एवं अति गरीबी से पीड़ित 70 प्रतिशत परिवार किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करने तक ही सीमित हैं। ऐसे परिवार चाह कर भी अपने परिवार की खुशहाली के लिए कोई बड़ा कार्य नहीं कर पा रहे हैं।

जनसंख्या के मुकाबले नहीं बढ़ रहे संसाधन

जिले में जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है उसके अनुसार संसाधन नहीं बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान की है। इसके लिए परिवार अपना जीवन जिले में रहते हुए खपा देता है लेकिन उसके हांथ कुछ नहीं आता है परिवार के भरण- पोषण के लिए सबसे बड़ी जरूरत भोजन है। इसके व्यवस्था में ही जिले की अधिकांश आबादी परेशान देखी जाती है। परिवार के भरण-पोषण एवं आवश्यक जरूरतों के लिए लोग भटकते रहते हैं भोजन के बाद परिवार के सदस्यों को ठीक-ठाक कपड़ा पहनने के लिए मिले इसकी व्यवस्था भी काफी कम परिवार बना पाते हैं। मकान बनानें के लिए लाखों की पूंजी एवं भूमि की जरूरत पड़ती है। जिले में काफी संख्या में ऐसे परिवार हैं जिनके पास स्वयं का घर बनाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। ऐसे परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी शासकीय भूमि या फिर वन भूमियों में आबाद हैं। कुछ परिवारों को शासन की योजना का लाभ मिल जाने पर भूमि का पट्टा मिल चुका है तो काफी संख्या में ऐसे भी परिवार हैं जो कि लंबे समय से आवेदन दे रहे हैं लेकिन उन्हें मकान बनाने के लिए भूमि का पट्टा नहीं मिल रहा है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य में बढ़ रहा ज्यादा खर्च

जिले के अधिकांश परिवार अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी आमदनी से ज्यादा खर्च कर रहे हैं। गरीब परिवार भी यह चाहता है कि उनके पुत्र एवं पुत्री ज्यादा से ज्यादा शिक्षा प्राप्त कर सकें। पन्ना जिले में स्नातक एवं स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है। उसके मुकाबले एक प्रतिशत लोगों को भी नौकरी का अवसर उपलब्ध नहीं हो रहा है। शासकीय क्षेत्र में तो नौकरी नहीं मिल रही है। वहीं अशासकीय क्षेत्रों में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद यहां के युवाओं को 5 हजार रुपए की नौकरी पाने के लिए भी प्रायवेट स्तर पर भटकने की मजबूरी बनी हुई है।